

NEWS COVERAGE

PUBLICATION	HINDUSTAN TIMES
EDITION	JAIPUR
DATE	7.4.13
PAGE NO	2

Global
Public Relations

Need suitable political leadership, says Joshi

HT Correspondent

htraj@hindustantimes.com

JAIPUR: The country needs suitable policies to provide water, electricity and education to the people. Information technology can be a help in making these policies. Before making policies, one can get suggestions from people through IT, said CP Joshi, Union minister for road transport and highways.

He said "Knowledge is necessary, but one should understand how it can be applied. In India there is no dearth of talent in industrial leadership, but discussions should be held on finding suitable political leadership."

Joshi was speaking as the chief guest at the Udai Pareek Memorial Lecture. It was organised by Jaipur-based National



Union minister CP Joshi and others at the second Udai Pareek Memorial Lecture in Jaipur on Saturday.

HT PHOTO

Human Resource Development Network and Indian Institute of Health Management and Research.

Earlier, said Pritam Singh, former director of Indian Institute of Management, Lucknow delivered the lecture on 'Leadership

challenges: mantra to lead.' He recalled Pareek's contributions to the field of human resource development saying that he was the pioneer of HRD movement in India. Singh said that the key test was providing leadership in challenging times.

72/21 A, 2nd Floor, Patel Marg, Mansarovar, Jaipur-302020

Ph- 0141-2784180, 2396307

Email- info@globalprjaipur.com

NEWS COVERAGE

Global
Public Relations

PUBLICATION	VEER ARJUN
EDITION	JAIPUR
DATE	8.4.13
PAGE NO	8

एनएचआरडीएन जयपुर चेप्टर के सहयोग उदय पारीक स्मृति व्याख्यानमाला

वीर अर्जुन संवाददाता
जयपुर, एनएचआरडी राष्ट्रीय
सचिवालय ने एनएचआरडीएन जयपुर
चेप्टर के सहयोग से 6 अप्रैल 2013
को इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान



जयपुर में दूसरी स्वर्गीय उदय पारीक
स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन
किया। इस अवसर पर केन्द्रीय सड़क
परिवहन तथा राजमार्ग मंत्री श्री सी.
पी. जोशी की उपस्थिति में पद्मश्री डॉ.
प्रीतम सिंह ने अत्यधिक उपयुक्त तथा
सामयिक विषय "नेतृत्व चुनौतियाँ -
नेतृत्व करने का मंत्र" पर व्याख्यान
दिया। कार्यक्रम के आरंभ में
एनएचआरडीएन, जयपुर चेप्टर के अ-
ध्यक्ष डॉ. अशोक यादव ने अपने
उदघाटन भाषण में कहा कि "स्वर्गीय

उदय पारीक की स्मृति में आयोजित
इस व्याख्यान में उपस्थित सभी
श्रोतागण का मैं हृदय से स्वागत करता
हूँ। आज का व्याख्यान उस महान
व्यक्ति को समर्पित है जो भले
ही आज हमारे बीच उपस्थित
नहीं है, लेकिन उनके आदर्श
एवं मान्यताएं हमें खासकर कर
प्रबंधन के युवा छात्रों को आने
वाले कई सालों तक उल्लासित
करते रहेंगे।"

आयोजन के बारे में चर्चा
करते हुए पद्मश्री डॉ. प्रीतम
सिंह ने भारत में मानव संसाध
न के क्षेत्र में योगदान प्रदान करने के
लिए स्वपदवी नेता स्वर्गीय डॉ. उदय
पारीक को श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ.
सिंह ने उनके योगदान के साथ साथ
भारत में मानव संसाधन विकास के
उत्थान में उनके प्रभाव से संबंधित
कुछ दिलचस्प जानकारियाँ प्रदान की
। उन्होंने कहा कि "स्वर्गीय डॉ. उदय
पारीक भारत में मानव संसाधन के
अग्रदूत और "भारत में मानव संसाध
न आंदोलन के जनक" के रूप में
जाने जाते हैं।"

NEWS COVERAGE

Global
Public Relations

PUBLICATION	DAINIK BHASKAR
EDITION	JAIPUR
DATE	7.4.13
PAGE NO	4

कानून न मानने वालों के लिए न्याय प्रक्रिया ज्यादा सूटेबल : सीपी जोशी

केंद्रीय मंत्री ने कहा, कानून की प्रक्रिया इतनी लंबी है कि न्याय मिलते-मिलते उम्र निकल जाती है

विशेष संवाददाता: जयपुर

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री डॉ. सीपी जोशी ने कहा है कि न्याय प्रक्रिया उन लोगों के लिए ज्यादा सूटेबल है जो नियम और कानून की पालना नहीं करना चाहते। जो नियम की पालना करना चाहते हैं, उन्हें लोअर कोर्ट, जिला कोर्ट, हाईकोर्ट की सिंगल बेंच, डबल बेंच और सुप्रीम कोर्ट में जाना पड़ेगा, तब उमें न्याय मिलने की संभावना बनती है।

जोशी शनिवार को इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में उदय पार्क स्मृति व्याख्यान में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका के जो फैसले समय पर आने चाहिए, उनके समय

पर नहीं आने के कारण लोगों में न्याय पाने के तरीकों में बदलाव आ रहा है। हमने संविधान में न्यायपालिका की व्यवस्था इसलिए की थी कि कानून के आधार पर लोगों को न्याय दे पाएंगे। कानून की प्रक्रिया इतनी लंबी है कि न्याय मिलते-मिलते उम्र निकल जाती है।

हमने सीएजी किसलिए बनाया, इसलिए कि वह हमारे बजटीय प्रावधानों, आउटले, चीई व आई का मिलान करेगा। आज सीएजी वे चीजें लोगों के सामने ला रहा है जो विधायिका ने दी हैं। हमारे प्राकृतिक संसाधनों का विवेकाधीन कोटे से आवंटन किया। विवेकाधीन कोटे से दी गई खानों से कितना राजस्व आ रहा है और नीलामी से कितना? इन चीजों पर बाद में ध्यान आया। उन्होंने कहा कि श्री जी आने के बाद हमें स्पेक्ट्रम की कीमत समझ में आई। लोकतंत्र में आज हम जस मुकाम पर खड़े हैं हमें भावी चुनौतियों पर सोचना होगा।

72/21 A, 2nd Floor, Patel Marg, Mansarovar, Jaipur-302020

Ph- 0141-2784180, 2396307

Email- info@globalprjaipur.com

NEWS COVERAGE

Global
Public Relations

PUBLICATION	DAILY NEWS
SUPPLIMENT	METRO MIX
EDITION	JAIPUR
DATE	7.4.13
PAGE NO	2

नेतृत्व करना आसान नहीं



उदय पारीक स्मृति व्याख्यानमाला
मेट्रो रिपोर्टर जयपुर

एनएचआरडी राष्ट्रीय सचिवालय ने एनएचआरडीएन जयपुर चेप्टर के सहयोग से शनिवार को इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में दूसरी स्वर्गीय उदय पारीक स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन किया। इस अवसर पर केन्द्रीय सड़क परिवहन तथा राजमार्ग मंत्री सी.पी.जोशी मौजूद थे। पद्मश्री डॉ. प्रीतम सिंह ने सामयिक विषय नेतृत्व चुनौतियां - नेतृत्व करने का मंत्र, पर व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम के आरंभ में एनएचआरडीएन, जयपुर चेप्टर के अध्यक्ष डॉ. अशोक बापना ने उद्घाटन भाषण दिया। आयोजन के बारे में चर्चा करते हुए पद्मश्री डॉ. प्रीतम सिंह ने भारत में मानव

संसाधन के क्षेत्र में योगदान प्रदान करने के लिए दिवंगत नेता डॉ. उदय पारीक को श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. सिंह ने उनके योगदान के साथ साथ भारत में मानव संसाधन विकास के उत्थान में उनके प्रभाव से संबंधित कुछ दिलचस्प जानकारियां प्रदान की। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय डॉ. उदय पारीक भारत में मानव संसाधन के अग्रदूत और भारत में मानव संसाधन आंदोलन के जनक के रूप में जाने जाते हैं।

नेतृत्व की चुनौतियों पर उन्होंने उन अलग-अलग मंत्रों के बारे में चर्चा की, जिसे अपनाकर सफलता पाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि व्यवसाय नीति बदली है, प्रक्रियाएं बदली हैं, बाजार बदला है, प्रौद्योगिकी बदली है, ग्राहकों की पसंद बदली है यदि कुछ नहीं बदला तो वह है नेतृत्व के बुनियादी तत्व। इस कार्यक्रम का समापन विनय चिरनियां ने किया।

72/21 A, 2nd Floor, Patel Marg, Mansarovar, Jaipur-302020

Ph- 0141-2784180, 2396307

Email- info@globalprjaipur.com

NEWS COVERAGE

Global
Public Relations

PUBLICATION	RAJASTHAN PATRIKA
SUPPLIMENT	JUST JAIPUR
EDITION	JAIPUR
DATE	7.4.13
PAGE NO	2

एनएचआरडी राष्ट्रीय सचिवालय और एनएचआरडीएन जयपुर चैप्टर का मेमोरियल लेक्चर

पर्सनैलिटी और इवलुपमेंट पर चर्चा



just रिपोर्ट

justreporter.jaipur@patrika.com

जयपुर. 'व्यवसाय नीति बदली है। प्रक्रियाएं बदली हैं। बाजार बदला है। प्रौद्योगिकी बदली है। ग्राहकों की पसंद बदली है, यदि कुछ नहीं बदला तो वह है नेतृत्व के सुनियोजित तत्व।' शनिवार को आयोजित 'स्व. उदय पारीक स्मृति व्याख्यानमाला' में पारीक की पर्सनैलिटी और विकास में योगदान के साथ ये विचार सामने आए।

एनएचआरडी राष्ट्रीय सचिवालय और एनएचआरडीएन

बताई रूपरेखा

कार्यक्रम में डॉ. प्रीतम सिंह ने नेतृत्व चुनौतियां - नेतृत्व करने का मंत्र विषय पर लेक्चर दिया। उन्होंने डॉ. पारीक की श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके मानव संसाधन विकास के उत्थान में स्वर्णिम विशेष जानकारी दी। एनएचआरडीएन, जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. अशोक बापला ने कार्यक्रम के उद्देश्य और रूपरेखा पर प्रकाश डाला।

जयपुर चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में आयोजित इस व्याख्यान में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री सीपी जोशी भी शामिल हुए।

डॉ. सी.पी. जोशी ने कहा कि 'डॉ. पारीक को मानव संसाधन विकास आंदोलन के वरिष्ठ और सम्मानीय सदस्य के रूप में याद किया जाता है।

बिजनेस एंगेजमेंट आईआईएलएम जयपुर के अध्यक्ष विनय चिरनिया ने भी डॉ. पारीक के जीवनदर्शन पर प्रकाश डाला।

72/21 A, 2nd Floor, Patel Marg, Mansarovar, Jaipur-302020

Ph- 0141-2784180, 2396307

Email- info@globalprjaipur.com

PUBLICATION	MAHAKA BHARAT
EDITION	JAIPUR
DATE	7.4.13
PAGE NO	9

द्वितीय स्वर्गीय उदय पारीक स्मृति व्याख्यानमाला

जयपुर, 6 अप्रैल। एनएचआरडी राष्ट्रीय सचिवालय ने एनएचआरडीएन जयपुर चेटर के सहयोग से 6 अप्रैल 2013 को इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान जयपुर में दूसरी स्वर्गीय उदय पारीक स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन किया। इस अवसर पर केन्द्रीय सडक परिवहन तथा राजमार्ग मंत्री श्री सी.पी. जोषी की उपस्थिति में पद्मश्री डॉ. प्रीतम सिंह ने अत्यधिक उपयुक्त तथा सामयिक विषय "नेतृत्व चुनौतियाँ - नेतृत्व करने का मंत्र" पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के आरंभ में एनएचआरडीएन, जयपुर चेटर के अध्यक्ष डॉ. अशोक चापना ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि "स्वर्गीय उदय पारीक की स्मृति में आयोजित इस व्याख्यान में उपस्थित सभी श्रोतागण का मैं हृदय से स्वागत करता हूँ। आज का व्याख्यान उस महान व्यक्ति को समर्पित है जो भले ही आज हमारे बीच उपस्थित नहीं है, लेकिन उनके आदर्श एवं मान्यताएँ हमें खासकर कर प्रबंधन के युवा छात्रों को आने वाले कई सालों तक उल्लासित करते रहेंगे।" आयोजन के बारे में चर्चा करते हुए पद्मश्री डॉ. प्रीतम सिंह ने भारत में मानव संसाधन के क्षेत्र में योगदान प्रदान करने के लिए स्वपदरपी नेता स्वर्गीय डॉ. उदय पारीक को श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. सिंह ने उनके योगदान के साथ साथ भारत में मानव संसाधन विकास के उत्थान में उनके प्रभाव से संबंधित कुछ दिलचस्प जानकारियाँ प्रदान की। उन्होंने कहा कि "स्वर्गीय डॉ. उदय पारीक 'भारत में मानव संसाधन के अग्रदूत' और 'भारत में मानव संसाधन आंदोलन के जनक' के रूप में जाने जाते हैं। वह ऐसे इंसान थे जिन्होंने कई संगठनों तथा व्यक्तियों की विचार प्रक्रिया को

बदल दिया था, मैं उनकी पहल तथा धैर्य जिसने मानव संसाधन का चेहरा बदलकर पूरे उद्योग जगत में एचआर लीडर्स को विकसित करने में मदद की के लिए अत्यधिक आभारी हूँ।" "नेतृत्व की चुनौतियाँ" पर अपना व्याख्यान देते हुए उन्होंने उन अलग अलग मंत्रों के बारे में चर्चा की जिसे अपना कर सफलता का वरण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि "व्यवसाय नीति बदली है, प्रक्रियाएँ बदली हैं, बाजार बदला है, प्रौद्योगिकी बदली है, ग्राहकों की पसंद बदली है यदि कुछ नहीं बदला तो वह है नेतृत्व के बुनियादी तत्व कि आज के चुनौतीपूर्ण समय में नेतृत्व किस तरह से किया जाए? अच्छे समय में नेतृत्व करना आसान होता है, लेकिन नेतृत्व की सही परख अर्थव्यवस्था की तंगी और अनिश्चित स्थितियों में होती है।" कार्यक्रम के सम्मानीय अतिथि केन्द्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री डॉ. सी.पी. जोषी ने स्वर्गीय डॉ. उदय पारीक के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि "उन्हें हमेशा से देश के मानव संसाधन विकास आंदोलन के वरिष्ठ एवं सम्मानीय सदस्य के रूप में याद किया जाता है। मैं डॉ. अशोक चापना को भी धन्यवाद देना चाहूँगा क्योंकि उनके योगदान से इस आयोजन को आघातित सफलता मिली है और हमें स्वर्गीय डॉ. उदय पारीक को श्रद्धांजलि प्रदान करने का अवसर मिला। कार्यक्रम का समापन विनय चिरनियाँ, अध्यक्ष बिजनेस एंजेलमेंट आईआईएलएम जयपुर द्वारा किया गया, उन्होंने कहा कि इस भाषण मुख्य उद्देश्य स्वर्गीय उदय पारीक के याद में है, जिन्होंने हिन्दुस्तान में एचआरडी की स्थापना करी है।